2024

HINDI — MINOR

Paper : MN-1

(Adikalin evam Madhyakalin Hindi Kavita)

Full Marks : 75

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता)

1. किन्हीं ***तीन*** पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) खेलत मैं को काको गुसैयाँ।
हरि हारे, जीते श्रीदामा, बरबसहीं कत करत रिसैयाँ।
जाति पाँति हमतै बड़ नाहीं नाहीं बसत तुम्हारी छैयाँ।
अति अधिकार जनावत यातैं जातैं अधिक तुम्हारे गैयाँ।
रूहठि करै तासौं को खेलै रहै बैठि जहँ तहँ सब ग्वैयाँ।
सूरदास प्रभु खेल्यौइ चाहत दाउँ दियो करि नंद दुहैया।।

(ख) ऐसी मूढ़ता या मन की।
परिहरि राम-भगति-सुरसरिता, आस करत ओसकन की।।
धूम-समूह निरखि चातक ज्यों, तृषित जानि मति घन की।
नंहि तहँ सीतलता न बारि, पुनि हानि होति लोचन की।।
ज्यों गच-काँच बिलोकि सेन जड़ छाँह आपने तनकी।
टूटत अति आतुर अहार बस, छति बिसारि आनन की।।
कहँ लौं कहौं कुचाल कृपानिधि! जानत हौ गति जन की।
तुलसिदास प्रभु हरहु दुसह दुख, करहु लाज निज पन की।।

(ग) मैं तो साँवरे के रंग राँची।
साजि सिंगार बाँधि पग घुंघरू लोक लाज तजि नाची।।
गई कुमति लई साधुकी संगति भगत रूप भई साँची।
गाय गाय हरि के गुन निस दिन काल व्याल से बाँची।।
उण बिन सब जग खारो लागत और बात सब काँची।
मीरा श्री गिरधरन लाँल सूँ भगति रसीली जाँची।।

(घ) मन न रँगाये, रँगाये जोगी कपरा।
आसन मारि मंदिर में बैठै, ब्रह्म छाड़ि पूजन लागें पथरा।।
कनवा फड़ाय जोगी जटवा बढ़ौले, दाढ़ी बढ़ाय जोगी होइ गैले बकरा।
जंगल जाय जोगी धुनियां रमौले, काम जलाय जोगी होइ गैले हिजरा।।
मथबा मुँड़ाय जोगी कपड़ा रंगैले, गीता बाँचके होइ गैले लबरा।
कहहिं कबीर सुनो भाइ साधो, जम-दखजवा बाँधल जैबे पकरा।।

(ङ) इंद्र जिमि जंभ पर बाड़व सुअंभ पर,
रावन सदंभ पर रघुकुल राज है।
पौन बारिबाह पर संभु रतिनाह पर,
ज्यौं सहसबाहु पर राग विजराज है।
दावा द्रुम दंड पर चीता मृग झुंड पर
भूषण वितुंड पर जैसे मृगराज है।
तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर
त्यों मलिच्छ बंस पर सेर सिवराज है।

2. किन्हीं ***तीन*** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×3

(क) कबीर की क्रांतिकारी चेतना पर विचार कीजिए।

(ख) जायसी की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) तुलसीदास की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए।

(घ) "बिहारी का श्रृंगार वर्णन अतुलनीय है"— कथन की समीक्षा कीजिए।

(ङ) घनानंद के काव्य में वर्णित प्रेम को रेखांकित कीजिए।

3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×9

(क) 'पद्मावत' किसकी रचना है?

(ख) तुलसीदास के गुरु का नाम क्या था?

(ग) विद्यापति की किसी एक रचना का नाम लिखिए।

(घ) रसखान की किसी एक रचना का नाम लिखिए।

(ङ) कबीर की रचना का नाम लिखिए।

(च) 'विनय पत्रिका' की भाषा क्या है?

(छ) छत्रसाल दशक किसकी रचना है?

(ज) बिहारी की रचना का नाम लिखिए।

(झ) रहीम की किसी एक रचना का नाम लिखिए।